

21 जुलाई, 2025

श्रावण, कृष्ण पक्ष, एकादशी

संवत् 2082

पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

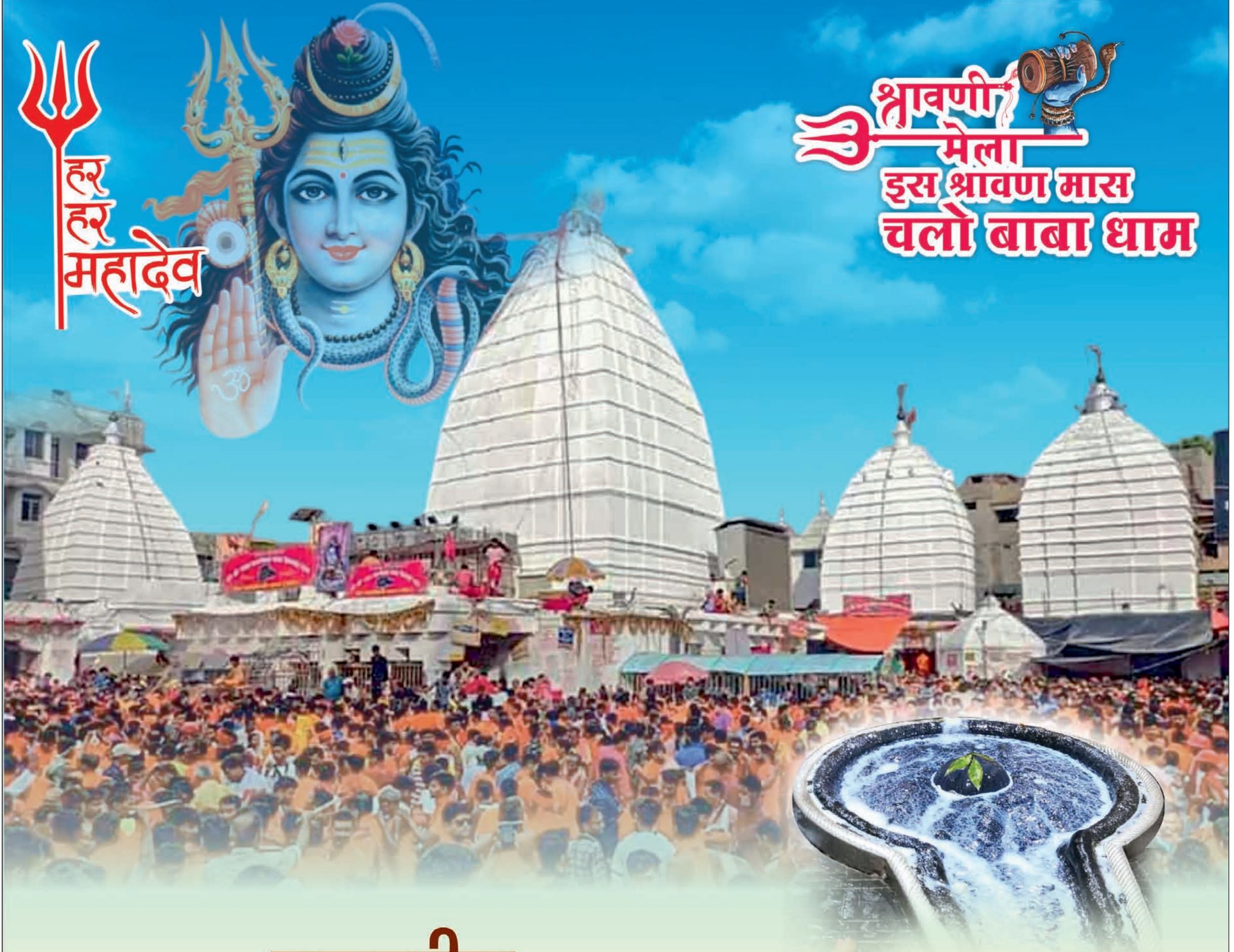
रांची

सोमवार, वर्ष 10, अंक 271

आजाद सिपाही



श्रावणी
मेला
इस श्रावण मास
चलो बाबा धाम



राजकीय श्रावणी मेला

में सभी श्रद्धालुओं और कांवरियों का
हार्दिक अभिनंदन

बाबा बैद्यनाथ सभी की मनोकामना पूर्ण करें

एक शुभचिंतक, रांची

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जेडीयू की नयी उम्मीद! समय रहते ठोस फैसला ले लें नीतीश कुमार : उपेंद्र कुशवाहा

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की राजनीति में एंट्री की चर्चा जोरों पर है। हालांकि, निशांत कुमार या जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की ओर से इस मामले में कोई भी प्रतिक्रिया नहीं दी गयी है, लेकिन, सीएम नीतीश कुमार के करीबी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी दल के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने निशांत कुमार को जदयू की नयी उम्मीद बता दी। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक आग्रह भी किया। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष का यह पोस्ट अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

सर्कार और पार्टी साथ-साथ संचालन सीएम नीतीश के लिए उचित नहीं : राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने रविवार को लिखा कि जानकारी मिली है कि बेटे भाई नीतीश कुमार के सुपुत्र निशांत का आज जन्मदिन है। खुशी के इस अवसर पर जदयू



समय रहते ठोस फैसला ले लें: कुशवाहा
नीतीश कुमार को सरकार चलाने का उनका लंबा अनुभव है, जिसका लाभ राज्य को आगे भी मिलता रहे, यह फिलहाल राज्य हित में अतिआवश्यक है। परंतु पार्टी की जवाबदेही के हस्तांतरण (जो वक्त मेरी ही नहीं स्वयं उनकी पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं/नेताओं की राय में अब आ चुका है) के विषय पर समय रहते ठोस फैसला ले लें। यही उनके दल के हित में है। और इसमें विलंब दल के लिए अपूर्णीय नुकसान का कारण बन सकता है। शायद ऐसा नुकसान, जिसकी भरपाई कभी हो भी नहीं पाये।

की नयी उम्मीद निशांत को जन्म दिन की ढेर सारी शुभकामनाएं। ईश्वर उसे हमेशा स्वस्थ एवं प्रसन्नचित रखे। इस अवसर पर

नीतीश कुमार से अति विनम्र आग्रह है कि समय और परिस्थिति की नजाकत को समझते हुए इस सच को स्वीकार

निशांत कुमार ने सीएम नीतीश को जिताने की अपील की थी

विधानसभा चुनाव के सवाल पर निशांत कुमार ने कहा कि इस बार चुनाव भी है। जनता से अपील है कि आप सब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को जितायें। कहा कि पिताजी ने बहुत काम किया है इसीलिए उनको फिर से मुख्यमंत्री बनायें। कुछ दिन पहले ही उन्होंने एक करोड़ लोगों को रोजगार और सरकार की नौकरी देने की बात कही है। अभी 21 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती की गयी है और 40 हजार और की जायेगी। 125 यूनिट बिजली भी मुफ्त कर दी गयी है और सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि भी बढ़ा गयी है। वहीं खुद के चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस पर आगे देखा जायेगा।

करने की कृपा करें कि अब सरकार और पार्टी दोनों का साथ-साथ संचालन स्वयं उनके लिए भी उचित नहीं है।

देश में पहली बार झारखंड सरकार लांच करेगी माइनिंग टूरिज्म परियोजना

जेटीडीसी और सीसीएल के सहयोग से शुरू हो रही योजना, सोमवार को होगा एमओयू

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड अपनी खनिज संपदा और खनन क्षेत्र की ऐतिहासिक विरासत को पर्यटन के रूप में विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। झारखंड पर्यटन विकास निगम (जेटीडीसी) और सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सहयोग से देश में पहली बार माइनिंग टूरिज्म की शुरुआत की जा रही है। इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए 21 जुलाई को रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में एमओयू पर हस्ताक्षर किये जायेंगे। कार्यक्रम में झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार और दोनों संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे। झारखंड लंबे समय से कोयला, लौह अयस्क और अन्य खनिजों की खदानों के लिए प्रसिद्ध रहा है। अब सरकार की योजना है कि इन खदानों की विरासत और खनन की प्रक्रिया को पर्यटन के माध्यम से आम लोगों तक पहुंचाया जाए, ताकि राज्य में धीम आधारित और सतत पर्यटन को

बिहार में 41 लाख वोटरों पर मंडराया खतरा!

मतदाता सूची पुनरीक्षण में कटेगो लाखों नाम

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के लिए गणना प्रपत्र जमा करने में अब केवल छह दिन शेष रह गये हैं तथा 41 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम अंतिम सूची से बाहर होने का खतरा है, जबकि इस सप्ताह की शुरुआत में यह संख्या 35.6 लाख थी। चुनाव आयोग ने कहा है कि बृथ स्तर के अधिकारियों द्वारा तीन दौर के गृह-भ्रमण के बाद, 41 लाख से ज्यादा मतदाता अपने पंजीकृत पतों पर नहीं मिले। इनमें से 14.1 लाख मतदाताओं की मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है, 19.7 लाख स्थायी रूप से दूसरी जगहों पर चले गये हैं, 7.5 लाख मतदाता कई जगहों पर मतदान के लिए पंजीकृत हैं और 11,000 मतदाता अभी भी लापता हैं।

सात करोड़ से ज्यादा फॉर्म मिले : अब तक, चुनाव आयोग ने 7.15 करोड़ गणना फॉर्म एकत्र कर लिये हैं, जो लक्ष्य का 90.6% है, और इनमें से 88.2% फॉर्म डिजिटल कर दिये गये हैं। लगभग 32 लाख फॉर्म, यानी कुल फॉर्म का 4%, अभी भी संग्रह के लिए लंबित हैं। फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 25 जुलाई है और आयोग ने शेष मतदाताओं से



विपक्ष की खिलाफत जारी

विपक्ष इस प्रक्रिया के खिलाफ बोल रहा है और दावा कर रहा है कि बिहार में सत्तारूढ़ गठबंधन को फायदा पहुंचाने के लिए जल्दबाजी में यह कदम उठाया जा रहा है, ताकि उनके खिलाफ मतदाताओं के नाम हटाये जा सकें। शनिवार को, राजद नेता तेजस्वी यादव ने देश भर के 35 प्रमुख दलों के नेताओं को पत्र लिख कर मतदाता सूची संशोधन के खिलाफ उनका समर्थन मांगा और आरोप लगाया कि भाजपा के इशारे पर लोकतंत्र पर हमला करने की साजिश रची जा रही है।

संपर्क स्थापित करने के लिए बृथ स्तर के अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर दौरे का एक और दौर शुरू किया है। इस सप्ताह के शुरू में, चुनाव आयोग ने घोषणा की थी कि 35.6 लाख मतदाता अपने

पंजीकृत पते पर नहीं मिले और वह मतदाता सूची से किसी भी नाम को हटाने से पहले उनका सत्यापन करने के लिए सभी विवरण राजनीतिक दलों के साथ साझा करेगा।

सदानों के अधिकारों का भी हो संरक्षण : राजेंद्र प्रसाद

आज मूलवासी सदान की उपेक्षा देख कर मन बहुत व्यथित है : रामटल चौधरी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के वैनर तले झारखंड के मूलवासी सदानों की अधिकारों की हो रही उपेक्षा को लेकर ग्रैंड ओकेजन बैक्विट हॉल में विचार गोष्ठी आयोजित की गयी। इसमें परिसीमन, पेसा कानून, स्थानीय तथा नियोजन नीति, मूलवासी सदानों की भाषा, संस्कृति के संरक्षण एवं विस्थापन नीति पर परिचर्चा हुई। इसको लेकर केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि झारखण्ड के राजनीतिक दल के नेताओं में दूरदर्शिता की कमी के कारण ही मूलवासी सदानों की लगातार उपेक्षा हो रही है।

अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि हम आदिवासियों के अधिकारों का विरोध नहीं करते हैं। हम चाहते हैं कि सरकार मूलवासी सदानों का अधिकारों को भी संरक्षित करे, पेसा कानून में मूलवासी के अधिकारों का भी संरक्षण हो, क्योंकि मूलवासी और आदिवासी की सभ्यता संस्कृति और रूढ़िवादी परंपरा एक समान ही है। कहा कि जल, जंगल, जमीन के लिए दोनों ने लड़ाई लड़ी है, इसलिए जल, जंगल, जमीन में दोनों का अधिकार बराबर है। प्रसाद ने कहा



कि मूलवासी सदान को इससे अलग करना राज्य के लिए घातक होगा। श्री प्रसाद ने कहा कि झारखंड सरकार या अन्य राजनीतिक दल मूलवासी सदानों के अधिकार को छीनने के बजाय स्थानीय नीति, नियोजन नीति, जातीय जनगणना, सदानों के लिए भी जिला मुख्यालय पर छात्रावास निर्माण कराने पर ध्यान देते तो राज्यहित में होता।

पूर्व सांसद रामटल चौधरी ने कहा कि मूलवासी के सहयोग के बिना अलग राज्य की कल्पना नहीं की जा सकती थी। अलग झारखंड की मांग के लिए मेरे नेतृत्व में 12 सांसदों ने इस्तीफा लिख कर प्रधानमंत्री को दिया था, तब जाकर अलग राज्य के लिए अटल बिहारी वाजपेई सरकार में सहमति बनी थी, लेकिन आज मूलवासी सदानों की उपेक्षा देख कर मन बहुत व्यथित है।

पद्मश्री मुकुल नायक ने कहा कि राज्य में राजनीतिक सामाजिक विस्थापन के साथ-साथ सांस्कृतिक विस्थापन हो रहा है, जो काफ़ी चिंता का विषय है, इसलिए हमें जागरूक होना होगा, इस पर उन्होंने कहा कि मूलवासी जागो-अखाड़ा बचाओ -

तेजस्वी ने सभी को भेजा पत्र

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित अन्य को भेजे पत्र में तेजस्वी यादव ने कहा कि मैं आपको गहरी पीड़ा और आग्रह के साथ लिख रहा हूं। बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) एक तमाशा और त्रासदी है, जो बड़ी संख्या में मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर रही है और लोकतंत्र की नींव को हिला रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कैसे चुनाव आयोग जैसी स्वतंत्र संस्था हमारी चुनावी प्रक्रिया की अखंडता में जनता के विश्वास को खत्म करने पर तुली हुई है। इस देश का प्रत्येक नागरिक, चाहे उसकी पृष्ठभूमि या स्थिति कुछ भी हो, अपने वोट पर गर्व करता है। शासन में भागीदारी करने की क्षमता अत्यधिक सशक्त बनाती है।

आजसू पार्टी ने ट्रिपल टेस्ट सर्वे में गड़बड़ी का लगाया आरोप ओबीसी आरक्षण में घपला करने की साजिश में लगी है झामुमो-कांग्रेस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी ने झारखंड में नगर निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण देने हेतु आवश्यक ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया में व्यापक गड़बड़ी का आरोप लगाया है। पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में वरिष्ठ नेता एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर और युवा नेता संजय मेहता ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस ओबीसी आरक्षण में घपला करने की साजिश रच रहे हैं।

श्री प्रभाकर ने कहा कि ट्रिपल टेस्ट के संबंध में लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि डोर टू डोर सर्वे नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि ट्रिपल टेस्ट की रिपोर्ट सार्वजनिक करने से पहले राज्य सरकार इस टेस्ट की प्रक्रिया की पूरी जानकारी जनता को उपलब्ध करवाए क्योंकि इसमें पारदर्शिता और निष्पक्षता का अभाव दिख रहा है। उन्होंने सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाये। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशोंनुसार नगर निकाय चुनावों में ओबीसी आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट अनिवार्य है, जिनमें डोर-टू-डोर सर्वे के माध्यम से पिछड़े वर्ग



की जनसंख्या, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और राजनीतिक प्रतिनिधित्व का आकलन किया जाना है।

श्री प्रभाकर ने कहा कि विभिन्न नगर निकाय क्षेत्रों से यह जानकारी सामने आ रही है कि धरातल पर सर्वे हुआ ही नहीं है और राज्य सरकार बंद कमरे में रिपोर्ट तैयार करवा रही है, ताकि पिछड़ों का हक मारा जा सके।

युवा नेता संजय मेहता ने कहा कि सरकार बताये कि ट्रिपल टेस्ट में संग्रह किये गये डाटा को सरकार कैसे सत्यापित करेगी। संस्थाओं का चयन किस आधार पर किया गया है और कैसे किया गया है। ट्रिपल टेस्ट का सैपल कैसे संग्रह किया जा रहा है कौन कर रहा है यह बताया जाये।

श्री मेहता ने कहा कि राज्य

सरकार के ट्रिपल टेस्ट में पारदर्शिता नहीं दिखती। पहले तो राज्य सरकार पिछड़ों को आरक्षण दिये बिना ही नगर निकाय चुनाव करवाना चाहती थी, लेकिन जब आजसू सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी सुप्रीम कोर्ट से आदेश लेकर आ गये, तो ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया शुरू की गयी। आजसू के दबाव में एक वर्ष से रित्त पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति की गयी। अभी भी 4 माह से राज्य निर्वाचन आयुक्त का पद नहीं भरा जा रहा है। श्री मेहता ने सवाल किया कि क्या राज्य सरकार हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बिना कोई काम नहीं करेगी। प्रेस वार्ता में मीडिया संयोजक परवाज खान और युवा आजसू संयोजक बबलू महतो भी उपस्थित थे।

लातेहार स्कूल में यौन हिंसा को लेकर भाजपा का राज्य सरकार पर तीखा हमला-झामुमो ने दिया जवाब राज्य में पॉक्सो कोर्ट का काम भी अफसर ही कर रहे : अजय साह

हाइकोर्ट के जुवेनाइल जस्टिस कम पॉक्सो कमेटी की निगरानी में हो जांच दोषी पदाधिकारियों पर पॉक्सो एक्ट की धारा 21 के तहत हो मामला दर्ज

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लातेहार जिले के एक मिशनरी स्कूल में सामने आये मास लेहने के यौन अपराध के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड सरकार पर तीखा हमला बोला है। रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश प्रवक्ता अजय साह ने कहा कि राज्य के वरिष्ठ पदाधिकारी, विशेष रूप से शिक्षा सचिव और जिला प्रशासन, पूरे प्रकरण को दबाने और लोपापोती करने का प्रयास कर रहे हैं।

अजय साह ने स्पष्ट किया कि



पॉक्सो एक्ट की धारा 19 और 21 के अनुसार यदि किसी नाबालिग के साथ यौन अपराध की जानकारी किसी को भी होती है, तो उसे लिखित रूप में पुलिस को सूचित करना अनिवार्य है। साथ ही पुलिस को यह मामला 24 घंटे के भीतर सीडब्ल्यूसी (चाइल्ड वेलफेयर कमेटी) और पॉक्सो कोर्ट में दर्ज करना होता है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के शंकर किसनराव खाटे बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले का हवाला देते हुए कहा कि यदि यौन हिंसा की जानकारी होने के

बावजूद लिखित सूचना नहीं दी जाती है, तो संबंधित व्यक्ति पर पॉक्सो एक्ट की धारा 21 के तहत अपराधिक मामले का दर्ज हो सकता है। अजय ने प्रेस वार्ता के दौरान एक ऑडियो क्लिप सुनाते हुए कहा कि छात्राओं ने साफ तौर पर आरोप लगाये हैं कि स्कूल के एक फादर द्वारा पिछले दो वर्षों से यौन अपराध किया जा रहा है, वह भी एक से अधिक छात्राओं के साथ। इसके बावजूद अब तक पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज नहीं किया गया है, जो कानून की खुली

अवेहेलना है।

उन्होंने कहा कि क्या अब झारखंड में पॉक्सो कोर्ट का काम भी अधिकारी करेंगे? पॉक्सो एक्ट की किस धारा के तहत शिक्षा सचिव या अन्य अफसर जांच और निर्णय का अधिकार रखते हैं? क्यों एक सप्ताह बीत जाने के बाद भी पॉक्सो कोर्ट में मामला दर्ज नहीं हुआ?

प्रदेश प्रवक्ता ने मांग की कि इस गंभीर यौन हिंसा के मामले में तत्काल पॉक्सो एक्ट के तहत एफआइआर दर्ज किया जाये। इसके अलावा झारखंड हाइकोर्ट के जुवेनाइल जस्टिस कम पॉक्सो कमेटी की निगरानी में पूरे प्रकरण की जांच हो। उन्होंने कहा कि जो भी पदाधिकारी मामले को दबाने में सल्लिप्त पाये जायें, उनके खिलाफ पॉक्सो एक्ट की धारा 21 और अन्य अपराधिक धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाये।

कार्रवाई चल रही है सब्र रखें : मनोज पांडे



आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लातेहार के एक स्कूल में छात्राओं के साथ हुई कथित यौन शोषण की घटना पर भाजपा के हमलावर होने के बाद झामुमो ने अपनी प्रतिक्रिया भी दे दी है। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता मनोज पांडे ने प्रेस वार्ता करके भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि यह हेमंत सोरेन की सरकार है। लैंड आफ लॉ की सरकार है। उत्तर प्रदेश की तरह यहां सिलेक्टिव कार्रवाई नहीं होती। लातेहार की

घटना में जो भी दोषी हैं। उन पर सख्त कार्रवाई होगी। अनुसंधान चल रहा है। बीजेपी की नई जरा देर से खुली है। यह घटना 5-6 दिन पुरानी है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि बीजेपी कितना संवेदनशील है। बता दें कि भाजपा प्रवक्ता अजय शाह ने लातेहार की शर्मानाक घटना पर अब तक कार्रवाई नहीं किये जाने पर राज्य सरकार को आड़े हाथों लिया था, जिस पर झामुमो ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

3 को भाकपा माओवादी ने पांच राज्यों में बंद का किया एलान

पुलिस की कार्रवाई का विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी की ओर से झारखंड-बिहार सहित पांच राज्यों में बंद का एलान किया गया है। 3 अगस्त को भाकपा माओवादियों द्वारा झारखंड, बिहार, उत्तरी छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और असम बंद का एलान किया गया है। भारत के नक्सल प्रभावित राज्यों में केंद्रीय बलों के द्वारा लगातार नक्सलियों पर किये जा रहे प्रहार और एनकाउंटर के विरोध में नक्सलियों ने 3 अगस्त को झारखंड, बिहार, उत्तरी छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और असम बंद का एलान किया गया है।

प्रेस रिलीज जारी कर किया एलान : भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के पूर्वी रीजनल ब्यूरो के प्रवक्ता संकेत ने प्रेस रिलीज जारी कर बंद का एलान किया है। रिलीज में बताया गया है कि विवेक सहित हमारे आठ



माओवादियों के हत्यारे और ऑपरेशन कणार के तहत जारी फासीवादी और दमन के विरोध में 3 अगस्त 2025 को एक दिवसीय बिहार, झारखंड, उत्तरी छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल और असम बंद को सफल करें। **जगह-जगह आयोजित होगी स्मृति सभा** : नक्सलियों ने बंद का एलान तो किया ही है। साथ ही साथ अपने मृत समर्थकों और नक्सली कैदरों की याद में पूरे देश में स्मृति सभा आयोजित करने की बात कही है। इसके लिए जगह-जगह अपने अंडरग्राउंड समर्थकों को बैठक करने का भी निर्देश दिया गया है।

21 जुलाई, 2025

श्रावण, कृष्ण पक्ष, एकादशी
संवत् 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

सोमवार, वर्ष 10, अंक 271

कलम कलम बढ़ाये जा

चीन ने ब्रह्मपुत्र
नदी पर डैम
बनाना शुरू किया

आजाद सिपाही

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery KG - I
Nursery KG - II
ADMISSION OPEN

9 Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of 'Haji Abdur Razzaque Educational Society')
ADMISSION OPEN

COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
2 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nursing And Midwifery)

COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
2 YEARS DRESSERS

COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
2 YEARS B-PHRRM

Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903994111, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

Euro Kids
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN

Play Group Nursery AGE GROUP
Euro Junior (LKG) Euro Senior (UKG) 1.8 TO 6 YEARS

OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3
Class 4 | Class 5

आपके बच्चों को दे सही शुरूआत

ADMISSION OPEN

KOKAR RIMS ROAD,
TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

सऊदी अरब के स्लीपिंग प्रिंस अल वलीद का निधन

15 साल की उम्र में लंदन में हुआ था दुर्घटना एक्सीडेंट, 20 साल से कोमा में थे

एजेंसी

रियाद। सऊदी अरब के प्रिंस अल वलीद बिन खालिद बिन तलाल अल सऊद का शनिवार को निधन हो गया। वे पिछले 20 साल से कोमा में थे। उन्हें स्लीपिंग प्रिंस (सोते हुए राजकुमार) के नाम से जाना जाता था। प्रिंस अल वलीद सऊदी अरब के राजपरिवार के वरिष्ठ सदस्य प्रिंस खालिद बिन तलाल के बेटे और अरबपति प्रिंस अल वलीद बिन तलाल के भतीजे थे। उनका जन्म अप्रैल 1990 में हुआ था। साल 2005 में, लंदन में मिलिट्री ट्रेनिंग के दौरान उनका भयानक सड़क हादसा हुआ। इस एक्सीडेंट में उन्हें गंभीर ब्रेन इंजरी और इंटरनल ब्लीडिंग हुई। इसके बाद से वे कोमा में चले गये। परिवार ने हार नहीं मानी, इलाज जारी रखा: सऊदी सरकार ने प्रिंस के इलाज के लिए अमेरिका और स्पेन से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बुलायी। हालांकि वे कभी पूरी तरह होश में



सोशल मीडिया पर अक्सर चर्चा में बने रहते थे

प्रिंस अल वलीद की हालत पर समय-समय पर वीडियो सामने आते थे। इनमें उनके हाथ या पलकों की हलचल देखी जाती थी। इससे लोगों को उम्मीद बंधती थी कि शायद एक दिन वे होश में आ जाएं। सोशल मीडिया पर उन्हें लेकर स्लीपिंग प्रिंस जैसे हैशटैग ट्रेंड करते थे।

नहीं आये। बीच-बीच में उनके शरीर में हलचल दिखती थी, जिससे परिवार को उम्मीद बंधती रही। डॉक्टरों ने उन्हें मेडिकल रूप से अचेत और बिना होश वाला घोषित कर दिया था। उन्हें रियाद के महल में एक स्पेशल कमरे में रखा गया था। यहाँ 24 घंटे डॉक्टर, नर्स और मेडिकल सपोर्ट मौजूद रहता था।

9 दिनों में 12 लाख श्रद्धालुओं ने की पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। सावन की दूसरी सोमवारी आज है। देवघर में करीब 2.5 लाख से अधिक कांवरियों के जल चढ़ाने की संभावना है। रविवार की सुबह सुल्तानगंज से एक लाख डाक बम ने जल भरा है। ये सभी सोमवार को बाबा बैद्यनाथ का जलाभिषेक करेंगे। सुल्तानगंज से देवघर पैदल जाने के दौरान श्रद्धालु महाकाल की पालकी तो कहीं शिव के वेश में दिखे। वहीं, कांवरिया नाचते गाते झूमते कांवर यात्रा कर रहे हैं। रविवार सुबह से ही बारिश हो रही है। बारिश में भीगते हुए कांवरिए मंदिर की ओर बढ़े। भागलपुर, मुंगेर और



बांका और देवघर जिला प्रशासन ने बारिश को देखते हुए विशेष इंतजाम किये हैं। मंदिर परिसर और कांवरिया पथ पर टेंट लगाये

गये हैं, ताकि श्रद्धालु बारिश से बच सकें। इसके बावजूद कई कांवरिए बारिश में भीगने का आनंद ले रहे हैं। श्रद्धालुओं ने कहा

कि बारिश हो या धूप, बाबा का आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ है। यह बारिश तो भोलेनाथ की कृपा है। हम तो नाचते-गाते जल

चढ़ाने जायेंगे। डाक बम और कांवरियों का उत्साह : रविवार को करीब 1 लाख डाक बम जल लेकर

देवघर के लिए निकले हैं। रविवार को करीब दो लाख लोगों ने जल उठाया। डाक बम वे श्रद्धालु हैं, जो सुल्तानगंज से गंगा जल लेकर 24 घंटे के अंदर देवघर पहुंचते हैं। ये भक्त अपनी यात्रा को एक अनुष्ठान की तरह पूरा करते हैं, जिसमें वे बिना रुके, भक्ति में लीन होकर मंदिर तक पहुंचते हैं।

देवघर में सावन मेले की तैयारियां इस बार हाइटेक और व्यवस्थित हैं। जिला प्रशासन ने 319 पारा मेडिकल कर्मियों और 19 एंबुलेंस की तैनाती की है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालुओं को तुरंत चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो। मंदिर परिसर में सुरक्षा के लिए AI कैमरों का उपयोग किया जा रहा है, जो भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा निगरानी में मदद कर रहे हैं।

हफ्ते में 5 दिन शीघ्र दर्शनम

इस बार श्रावणी मेले के दौरान मंदिर के नियमों में कुछ बदलाव किये गये हैं। सप्ताह में केवल पांच दिन ही श्रद्धालु शीघ्र दर्शनम कर सकेंगे। यह बदलाव भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखकर किया गया है। रास्ते में कई स्थानों पर सामाजिक संगठनों, स्थानीय लोगों और स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा सेवा शिविर लगाये गये हैं। कहीं नींबू-पानी और ग्लूकोज का इंतजाम है, तो कहीं डॉक्टरों की टीम प्राथमिक उपचार दे रही है।

संसद का मानसून सत्र आज से, हुई सर्वदलीय बैठक

विपक्ष उठायेगा पहलगाम और सीजफायर का मुद्दा

सत्ता पक्ष बोला- सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार

● 21 अगस्त तक चलेगा सत्र, सरकार आठ विधेयक पेश करेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो रहा। इससे पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक हुई। कांग्रेस सांसद गौरव गोरोई ने कहा कि इस सत्र में हम पहलगाम हमले, सीमाओं पर संघर्ष, ट्रंप का सीजफायर दावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) जैसे मुद्दों को उठावेंगे। प्रधानमंत्री सरकार के प्रमुख होते हैं, उनकी नैतिक जिम्मेदारी है कि वे संसद के जरिये इन मुद्दों पर देश को जानकारी दें। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि सदन चलाना सभी की जिम्मेदारी है। सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है। साथ ही अमेरिका



डेढ़ घंटे से ज्यादा चली बैठक

बैठक केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में डेढ़ घंटे से ज्यादा चली। इसमें कई वरिष्ठ मंत्री, एनडीए और विपक्षी दलों के नेता मौजूद रहे। मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण बिलों पर चर्चा और पास करने का काम करेगी।

के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऑपरेशन सिंदूर पर किये दावों पर भी उचित जवाब देगी।

सरकार मानसून सत्र में 8 बिल पेश करेगी: केंद्र सरकार मानसून सत्र में आठ विधेयक (बिल) पेश

करने जा रही है। इनमें देश की भू-विरासत और पुराने अवशेषों की सुरक्षा से जुड़ा एक अहम बिल भी शामिल है। जो विधेयक लाये जायेंगे, उनमें राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, भू-विरासत स्थल और

जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग पर पक्ष विपक्ष दोनों सहमत

केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए 100 से ज्यादा सांसदों ने दस्तखत किये हैं। जस्टिस वर्मा अपने घर पर जली हुई नकदी मिलने के बाद से मुश्किल में हैं। मानसून सत्र में इस मुद्दे पर सरकार विचार करेगी या नहीं, इस पर रिजिजू बोले कि यह प्रक्रिया सभी दल मिल कर करेंगे। यह अकेले सरकार का काम नहीं है।

भू-अवशेष (संरक्षण रखरखाव) विधेयक, खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक प्रमुख हैं।

सूचना आयुक्तों के सभी खाली पद जल्द भरे जायेंगे

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्मिक विभाग को दिया निर्देश

सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाइकोर्ट ने नियुक्ति का दिया था आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। झारखंड में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए बड़ी खबर है। जहां इनकी नियुक्ति के लिए फिर से आवेदन आमंत्रित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कार्मिक विभाग को इससे जुड़े निर्देश दे दिये हैं। बता दें कि पिछले साल जून 2024 में राज्य सरकार की ओर से मुख्य सूचना आयुक्त और 6 सूचना आयुक्तों के पद के लिए आवेदन मांगे गये थे, लेकिन अब तक इसकी प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस नियुक्ति के लिए झारखंड हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी राज्य



सरकार को कार्रवाई तेज करने के निर्देश दिये हैं। राज्य सूचना आयोग में एक मुख्य सूचना आयुक्त और 6 सूचना आयुक्तों के पद खाली हैं।

8 मई 2020 से आयोग में सुनवाई है बंद : राज्य में मुख्य सूचना आयुक्त और सूचना आयुक्त के नहीं होने से सुनवाई पर आस पड़ रहा है। आयोग में 8 मई 2020 से अपील

20 हजार से अधिक मामले पेंडिंग हैं

आयुक्तों के पद खाली होने के बाद से अब तक आयोग में 12,000 नयी अपील और 298 शिकायतें और दर्ज की जा चुकी हैं। इन सभी मामलों पर भी कोई सुनवाई नहीं हो पायी है। कुल मिला कर, 20,038 मामलों की सुनवाई अभी रुकी हुई है, जिससे आम लोगों को न्याय मिलने में देरी हो रही है। उम्मीद है कि नयी आवेदन प्रक्रिया से ये नियुक्तियां जल्द पूरी होगी और आयोग का काम फिर से शुरू हो पायेगा।

और शिकायतों पर सुनवाई पूरी तरह से बंद है। उस समय तक आयोग में लगभग 7,669 अपील और 71 शिकायतें लंबित थीं।

आजसू के केन्द्रीय महासचिव विजय कुमार ने पार्टी से दिया इस्तीफा

पार्टी प्रमुख सुदेश महतो को लिखा पत्र

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की क्षेत्रीय पार्टी आजसू को एक और बड़ा झटका लगा है। पार्टी के केन्द्रीय महासचिव और मांडू विधानसभा के प्रभारी विजय कुमार साहू ने अपने सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी की प्रार्थना



सदस्यता भी छोड़ दी है। अपने त्यागपत्र में विजय साहू ने सुदेश महतो को लिखे पत्र में कहा है कि वे जिन उद्देश्यों और आदर्शों को लेकर आजसू में शामिल हुए थे,

अब वे पार्टी में स्पष्ट रूप से नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कई अहम मुद्दों पर पार्टी का रुख असमंजस भरा रहता है, जिससे वे आहत हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अब तक जो भी जिम्मेदारियां पार्टी की ओर से मिलीं, उन्हें पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाया है। मौजूदा हालात में उनके लिए पार्टी के साथ बने रहना संभव नहीं है।

प्लाइट पकड़ने की जल्दबाजी में पत्नी को ही भूले मंत्री शिवराज सिंह

काफिले के साथ जूनागढ़ से राजकोट निकले, रास्ते से लौटे, फिर साथ ले गये

आजाद सिपाही संवाददाता

जूनागढ़। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को जूनागढ़ में एक दिलचस्प जल्दबाजी कर बैठे। वे पत्नी साधना सिंह को छोड़कर 22 गाड़ियों के काफिले के साथ जूनागढ़ से राजकोट की ओर रवाना हो गये। एक किलोमीटर दूर पहुंचे ही थे कि ख्याल आया कि पत्नी तो साथ में हैं ही नहीं। इसके बाद काफिला तुरंत यू-टर्न लेकर मृगफली शोध केंद्र लौटा, जहां साधना सिंह वेटिंग रूम में बैठी थीं। शिवराज सिंह : दरअसल, शिवराज सिंह अपनी पत्नी के साथ गुजरात के धार्मिक और सरकारी दौरे पर थे। सोमनाथ ज्योतिर्लिंग और गिर के सिंहरदर्शन के बाद शनिवार को मृगफली शोध केंद्र में



किसानों और 'लखपति दीदी' योजना से जुड़ी महिलाओं से संवाद कार्यक्रम था। उन्हें रात 8 बजे राजकोट से प्लाइट पकड़नी थी और रास्ता खराब होने के कारण वे हड़बड़ी में थे। कार्यक्रम के मंच पर बार-बार घड़ी देखते रहे। खुद माइक से कहा कि राजकोट का रास्ता खराब है, अगली बार फुर्सत से आऊंगा।

उन्होंने भाषण छोटा किया और तेजी से काफिले के साथ निकल गये। उधर, साधना गिरनार दर्शन के बाद लौट चुकी थीं और प्रतीक्षालय में बैठी थीं। शिवराज को ख्याल आया कि पत्नी तो साथ में हैं नहीं। फिर फोन पर संपर्क साधा। इसके बाद काफिले संग लौटे और पत्नी को लेकर राजकोट निकले।

सासन-देवलिया सफारी पार्क घूमे शिवराज-साधना

इससे पहले केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्नी साधना सिंह के साथ सासन-देवलिया सफारी पार्क घूमा था। उन्होंने कहा था कि सासन में हमने प्रकृति के राज को देखा। गिर की प्राकृतिक सुंदरता वाकई अद्भुत है। सफारी की पूरी अवधारणा और योजना अद्भुत है। यह सफारी अनुभव के अलग-अलग रंग प्रदान करती है। आप जंगल के राजा एशियाई शेर को उसके प्राकृतिक आवास में आसानी से देख सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा था कि आज सावन के महीने में मुझे सोमनाथ के दर्शन करने का सौभाग्य मिला और जूनागढ़ जिले के खेतों में किसानों से भी मिला है।

मालदीव के आजादी महोत्सव में भी होंगे शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23-24 जुलाई को ब्रिटेन के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी आधिकारिक यात्रा होगी। ब्रिटेन के बाद मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जायेंगे, जो 25-26 जुलाई, 2025 तक होगी। प्रधानमंत्री मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मोइजु के आमंत्रण पर मालदीव जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी। मोदी की यह मालदीव यात्रा, मालदीव में राष्ट्रपति मोइजु के सत्ता संभालने के बाद पहली बार किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होगा। रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर होगी बात: ब्रिटेन दौरे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विभिन्न मुद्दों पर प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से चर्चा करेंगे। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दोनों नेताओं के बीच बात होगी। वे किंग चार्ल्स से



मालदीव में मुख्य अतिथि होंगे मोदी

प्रधानमंत्री 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। वे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मोइजु के साथ विभिन्न मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। दोनों नेता भारत-मालदीव के बीच संयुक्त आर्थिक और मेरीटाइम सुरक्षा समझौते पर प्रगति की भी समीक्षा करेंगे। अक्तूबर 2024 में जब मोहम्मद मोइजु ने भारत का दौरा किया था, उस समय दोनों देशों के बीच इस समझौते पर सहमति बनी थी।

भी मुलाकात कर सकते हैं। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर भी चर्चा करेंगे।

